

Roll No.

MAHL-206

हिन्दी पत्रकारिता : इतिहास एवं सिद्धान्त

M. A. Hindi (MAHL-12/16)

Second Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours

Max. Marks : 60

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. जनसंपर्क के सिद्धान्त एवं उपकरणों पर विचार कीजिए।
2. विज्ञापन की अवधारणा एवं सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।
3. ई-पत्रकारिता के विकास में सहायक संचार माध्यमों पर प्रकाश डालिए।
4. अनुवाद की प्रक्रिया एवं विभिन्न प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड ‘ख’ में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. स्वारथ्य पत्रकारिता पर एक टिप्पणी लिखिए।
2. धार्मिक पत्रकारिता पर एक टिप्पणी कीजिए।
3. विज्ञान पत्रकारिता पर विचार कीजिए।
4. साइबर मीडिया की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
5. टेलीविजन लेखन के प्रकारों को बताइये।
6. रेडियो लेखन के सिद्धान्त पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
7. समाचारों के विभिन्न वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।
8. अनुवाद के प्रमुख प्रकारों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

खण्ड-ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड ‘ग’ में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निम्नलिखित में से सत्य/असत्य का चुनाव कीजिए।

1. ‘हिक्की गजट’ का प्रकाशन काल 1780 ई. है।
2. ‘उदन्त मार्टन्ड’ का प्रकाशन काल 1830 है।
3. ‘सरस्वती’ पत्रिका का प्रकाशन इलाहाबाद से 1900 ई. में प्रारम्भ हुआ।

4. ‘हिन्दी प्रदीप’ के संपादक भारतेन्दु हरिशचन्द्र थे।
5. ‘कर्मवीर’ के संपादक माखनलाल चतुर्वेदी थे।
- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।
6. रेडियो माध्यम है। (दृश्य / श्रव्य / दृश्य-श्रव्य)
7. समाचार-पत्र की आत्मा को कहा गया है। (फीचर / सम्पादकीय / लेख)
8. एंकर बाइट का सम्बन्ध पत्रकारिता से है। (रेडियो / टेलीविजन / इंटरनेट)
9. स्पेस जर्नलिज्म को कहा जाता है। (उपग्रह पत्रकारिता / ब्रह्माण्ड पत्रकारिता / विश्व पत्रकारिता)।
10. आदर्श समाचार-पत्र में विज्ञापन का प्रतिशत निर्धारित है। (60 / 40 / 80)